

गतका पुं. (तद्.) लकड़ी का डेढ़-दो हाथ लंबा चमड़ा चढ़ा मुठियादार डंडा जिससे एक खास खेल खेला जाता है।

गतचेतन वि. (तत्.) चेतना रहित, बेहोश।

गतशैशव पुं. (तत्.) आठ वर्ष से अधिक अवस्था का।

गतस्पृह पुं. (तत्.) जिसे कोई चाह या इच्छा न हो।

गतांक वि. (तत्.) 1. पिछला अंक, संख्या 2. गया बीता, निकम्मा।

गतांत वि. (तत्.) जिसका अंत आ गया हो।

गताक्ष वि. (तत्.) नेत्रविहीन, अंधा।

गतागत वि. (तत्.) आया गया पुं. (तत्.) 1. आवागमन 2. जन्म मरण 3. पैतरा।

गतागति स्त्री. (तत्.) दे. गतागत।

गतानुगतिक वि. (तत्.) अतीत का अंधानुसरण करने वाला।

गतायु वि. (तत्.) 1. जिसकी आयु समाप्त प्राय हो, अत्यंत वृद्ध 2. निर्बल, कमजोर, अशक्त।

गतार स्त्री. (देश.) बोझ बाँधने की रस्सी, जुए से बैल की गरदन बाँधने की रस्सी।

गतार्तवा वि. (तत्.) 1. जिसे ऋतु या रजोदर्शन न होता हो 2. बंध्या 3. वृद्ध।

गतार्थ वि. (तत्.) 1. धनहीन, निर्धन 2. अर्थहीन, अर्थ रहित 3. जाना या समझा हुआ।

गतान्नोक वि. (तत्.) प्रकाश रहित, ज्योतिहीन।

गति स्त्री. (तत्.) 1. एक स्थान से दूसरे स्थान पर क्रमशः जाने की क्रिया, चाल, रफ्तार 2. जाना, गमन 3. हिलने, डोलने की क्रिया, हरकत 4. अवस्था, दशा, हालत 5. रूप-रंग, वेष 6. पहुँच, प्रवेश 7. पैठ 8. दखल 9. प्रलय की सीमा 10. अंतिम उपाय 11. तदबीर 12. सहारा, अवलंब, शरण 13. चेष्टा 14. करनी, क्रिया कलाप जैसे- उसकी गति सदा हमारे प्रतिकूल रहती है 15. लीला, विधान, माया 16. ढंग,

रीति, दस्तूर 17. जीवात्मा का एक शरीर से दूसरे में गमन 18. मृत्यु के उपरांत जीवात्मा की दशा, मोक्ष, मुक्ति 19. कुश्ती लड़ने वालों के पैर की चाल, पैतरा 20. ग्रहों की चाल 21. ताल और स्वर के अनुसार अंग संचालन।

गतिक पुं. (तत्.) 1. गति, गमन 2. आसरा, आश्रय, सहारा 3. मार्ग, राह, रास्ता 4. अवस्था, स्थिति।

गति भंग पुं. (तत्.) 1. ठहरना, रुकना 2. छंद, गान आदि में गायन या पाठ के क्रम में रुकावट या अवरोध।

गतिमान वि. (तत्.) गतियुक्त, गतिशील।

गतिरोध पुं. (तत्.) चाल में रुकावट, गति रोकने की क्रिया।

गतिवान् वि. (तत्.) वेग युक्त, गति वाला, क्रियाशील।

गतिविधि स्त्री. (तत्.) 1. उद्यम 2. चाल-ढाल, कार्य जैसे- सेना की गतिविधि देखने के लिए एक रणदक्ष सेनापति की आवश्यकता है।

गतिहीन वि. (तत्.) 1. स्थिर, ठहरा हुआ 2. असहाय, परित्यक्ता।

गत्ता पुं. (देश.) कागज की कई परतों को काट कर बनाई गई दफ़्ती।

गत्वर वि. (तत्.) 1. जाने वाला, गमनशील 2. क्षणिक, नाशवान।

गद पुं. (अनु.) 1. किसी नरम चीज पर कड़ी या कड़ी चीज पर नरम चीज के गिरने की आवाज प्रयो. उसकी पीठ पर गेंद गद से गिरी 2. स्थूलता, मोटापन।

गदगद वि. (अनु.) हर्ष, प्रेम आदि के अतिरेक से जिसका गला भर आया हो, जिसके मुँह से स्पष्ट शब्द न निकलते हो, पुलकित, आनंदित।

गदगदकंठ पुं. (तत्.) हर्षादि से भरा हुआ गला।

गदयित्नु वि. (तत्.) 1. मुखर, बातूनी, वाचाल 2. कामी, कामुक पुं. (तत्.) 1. शब्द, घोष 2. धनुष 3. कामदेव।